150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्

राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई– जयपुर

राजीविका

समूह से समृद्धि तक

राजीविका
राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्

कोविड –19 से जंग में राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाएं निभा रही हैं अपनी जिम्मेदारी

कोविड –19 एक वैश्विक महामारी है जिससे बचाव के लिए देश के प्रधानमंत्री द्वारा देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की गई है। इस लॉकडाउन के निर्णय के पीछे उद्देश्य है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोका जाएं और सभी देशवासियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

लॉकडाउन का निर्णय बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक था लेकिन इस निर्णय से अर्थव्यवस्था को भी बहुत हानि हो रही है। निर्धन और गरीबी रेखा से नीचे जीवन–यापन कर रहे व्यक्तियों के लिए यह कठिन समय है क्योंकि उनकी आजीविका के साधन रुक गए हैं। इस संकट भरी घड़ी में राजीविका ने अपने स्तर पर प्रयास कर एसएचजी महिलाओं एवं उनके परिवारों को सहयोग प्रदान करने की दिशा में कदम बढ़ाएं हैं। इस समय जागरुकता और सतर्कता भरा व्यवहार बहुत महत्वपूर्ण है, इसीलिए राजीविका ने जागरुकता और सावधानी से सम्बंधित नियमों के प्रचार–प्रसार के साथ ही आजीविका संवर्धन के लिए भी आवश्यक कार्य किए।

एसएचजी महिलाओं द्वारा मास्क निर्माण

बनाएं 11 लाख से अधिक मास्क

स्वयं सहायता समूह की सदस्य बना रही हैं सूती कपड़े के मास्क
मास्क वितरण का जिम्मा भी लिया समूह की महिलाओं ने

कोरोना के संक्रमण के बढ़ने के साथ ही बाजार में मास्क की उपलब्धता को लेकर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही ऊँचे दामों पर मास्क बिक्री और कालाबाजारी जैसी परेशानियां भी सामने आ रही हैं। इन्हीं समस्याओं का हल निकालने के लिए एसएचजी महिलाओं ने मास्क बनाने का बीड़ा उठाया। लगभग 2200 स्वयं सहायता समूह मास्क बनाने में लग गए और अब तक 1167147 लाख मास्क उनके द्वारा बनाए जा चुके हैं। मास्क वितरण का कार्य कैडर द्वारा किया जा रहा है और कुछ स्थानों पर पंचायत व आँगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से भी जानकारी और मास्क वितरण किया जा रहा है।

मास्क बनाती हुई एसएचजी महिलाएं

अलवर जिला के राजगढ़ ब्लॉक में कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क बनाती हुई राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

सवाई माधोपुर जिले में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा संचालित #RSETI के प्रशिक्षार्थियों द्वारा मास्क निर्माण का कार्य

नीलकंठ क्लस्टर दौलतपुरा में स्वयं सहायता समूह की बहनों द्वारा कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए बनाए गए मास्क

बाड़मेर जिले में कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क बनाती हुई राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

जोधपुर जिले में राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बनाएं मास्क

भीलवाड़ा जिले की एसएचजी महिलाओं ने मास्क बना कर वितरित किए

कोविड –19 संकट के दौरान राजीविका द्वारा उठाए गए अहम कदम

जागरूकता का संचार और कोरोना की रोकथाम

सामुदायिक स्तर पर कोविड –19 को फैलने से रोकने के लिए सामुदायिक जागरुकता पर जोर दिया गया। बीमारी के प्रति जागरूकता, जरुरी सावधानियां और जानकारी साझा की गई जिससे अधिक से अधिक लोग सतर्क रहें और कोरोना वायरस की रोकथाम की जा सके। इसके लिए ऑडियो– वीडियो और प्रिंट माध्यम से जानकारी का प्रचार–प्रसार किया गया।

राशन वितरण

गरीब परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए सीएलएफ एवं वीओ द्वारा राशन किट बनाकर उनका वितरण जरूरतमंद परिवारों को किया जा रहा है। इसके लिए एसएचजी सीआईएफ के फंड का उपयोग राशन खरीद कर राशन किट के निर्माण के लिए कर रही हैं। इन राशन किटों में आटा, चावल,दाल, नमक, चीनी और तेल इत्यादि खाद्य पदार्थ शामिल हैं।

दो मुठ्ठी अनाज

जन सहयोग की एक अनूठी मिसाल

राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाएं प्रदेश भर में कोविड– 19 का दंश सह रहे परिवारों के सहयोग के लिए नित –नए प्रयास कर रही हैं। ऐसी ही एक अनूठी पहल है **दो मुठ्ठी अनाज**, जिसके अन्तर्गत समूह की सदस्य महिलाएं लॉकडॉउन की मार झेल रहे परिवारों की सहायता के लिए आगे आई हैं। स्वयं सहायता समूहों के सदस्य प्रत्येक घर से खाद्य सामग्री ग्राम संगठन स्तर पर इकट्ठा कर जरूरतमंद परिवारों जैसे भूमि हीन किसान, दिहाड़ी मजदूर, छोटे व मझोले किसान, सामाजिक और आर्थिक हाशिए के लोगों को सहायता के रूप में प्रदान कर रहे हैं।

स्वयं सहायता समूहों ने जरूरतमंदों के लिए चलाई दो मुट्ठी अनाज योजना

राजगढ़ | ब्लॉक में राजीविका के अंतर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह क्लस्टर की ओर से कोरोना मे बेसहारा, जरूरतमंद स्वयं सहायता समूह के परिवारों के लिए दो मुट्ठी अनाज व गरीब बहनों के नाम मुहिम चलाई है। भारत माता सीएलएफ की क्लस्टर मैनेजर सुधा शर्मा ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सीएलएफ से जुड़ी वह महिलाएं जो खेती करती हैं जिनके गेहूं की फसल की पैदावार अच्छी हुई है। सभी महिलाएं मिलकर थोड़ा-थोड़ा अनाज इकट्ठा करके क्लस्टर की उन महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा जिनका परिवार मजदूरी करके अपना जीवन यापन करता है या जिस परिवार को खाद्य सुरक्षा का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि राजगढ़ ब्लाक में चार सीएलएफ है। चारों सीएलएफओं में लगभग 25000 महिलाओं के परिवार जुड़े हुए हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार 12460 मास्कों का वितरण भी शिक्षा विभाग के सोशल मीडिया ग्रुप के माध्यम से नगरपालिका क्षेत्र सहित विभिन्न गांवों में किया जा चुका है।

राजस्थान के अनेक जिलों में लॉकडाउन से त्रस्त गरीब परिवारों की सहायता के लिए एसएचजी महिलाएं घर–घर जा कर अनाज एकत्रित कर रही हैं जिससे असहाय परिवारों को भोजन के संकट से ना जूझना पड़े। जन सहयोग से अब तक सैकड़ों क्विंटल गेहूं भण्डारण केंद्र पर जमा किया गया है जिसे गरीब परिवारों में वितरित किया जा रहा है। इस कार्य में गाँव के समृद्ध परिवार अपना योगदान दे रहे हैं। अब तक मिली जानकारी के अनुसार अभी तक 155 ग्राम संगठनों के माध्यम से 814 गरीब परिवारों को लगभग 6000 किग्रा अनाज का निःशुल्क वितरण किया गया है।

बैंक सखी मीरा ने ग्रामीण परिवारों के लिए सरल किए बैंकिंग से जुड़े कार्य

बांसवाड़ा जिले के सज्जनगढ़ ब्लॉक के छोटे से गांव चनावला में राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना द्वारा गठित स्वयं सहायता समूह से जुड़ी बी.सी. श्रीमती मीरा पटेल व ग्राम सेवनिया की श्रीमती निर्मला गरासिया कोरोना महामारी में लॉकडाउन के दौरान ग्रामीणों को पैसों के लेन –देन की सुविधा गांव में ही उपलब्ध करा रही हैं। वे ग्रामीणों की छोटी –छोटी जरूरतों की पूर्ति हेतु स्वयं जोखिम उठाकर बैंकों के चक्कर लगा रही हैं और साथ ही ग्रामीणों को कोरोना वायरस से बचाव के सम्बन्ध में निरंतर जागरूक भी कर रही हैं। इसके अतिरिक्त वे स्वयं के परिवार की आजीविका में भी अपना योगदान दे कर अपनी जिमेदारी का पूरी तरह से निर्वहन कर रही हैं।

ब्लॉक परियोजना प्रबंधक श्री अखिलेश पाठक ने बताया कि विभिन्न बैंकों द्वारा उनके क्षेत्र में ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को बैंक से सम्बंधित सेवाएं गांव स्तर पर ही उपलब्ध कराने हेतु प्रशिक्षित बी.सी. की नियुक्ति की गई है, जो कमीशन के आधार पर बैंक सम्बंधित सेवाएं ग्रामीणों को उपलब्ध कराती हैं।

विगत माह अप्रैल 2020 में श्रीमती मीरा द्वारा कुल राशि रु 8319950 / का लेन –देन किया गया व लेन –देन की संख्या 4505 रही, जो कि संभाग में किसी भी बी.सी. द्वारा किया गया सर्वाधिक लेन –देन है। इस उपलब्धि पर बैंक ऑफ बरोदा शाखा हिजमल के प्रबंधक श्री दीपक रेगर द्वारा श्रीमती मीरा को प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

साप्ताहिक होने वाली बैठकों को स्थगित किया गया

राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले लॉकडाउन से पहले ही राजीविका ने प्रदेश सरकार के दिशा –निर्देश के आधार पर सावधानी रखते हुए वीओ और एसएचजी बैठकों को स्थगित कर दिया था।

वल्नरेबिलिटी रिडक्शन फंड (वीआरएफ)

जरूरत के समय में समुदाय के सदस्यों की मदद करने के लिए, वीओ को दी गई वल्नरेबिलिटी रिडक्शन फंड के तत्काल वितरण पर एक सलाह जारी की गई है। ऋण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए इस अवधि के दौरान वीआरएफ के नियमों में बदलाव करते हुए वीओ को भोजन, स्वास्थ्य, चिकित्सा व आपात स्थिति के लिए वीआरएफ का उपयोग करने के लिए छूट दी गई है।

निर्बाध और सुरक्षित बैंकिंग सेवा

एसएचजी को डिजि पे सखी और बीसी सखी के द्वारा निर्बाध रूप से बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग नीति का पालन पूरी तरह से किया जा रहा है। इस कदम से लॉकडाउन के दौरान भी कैश की उपलब्धता संभव हो रही है। सखी इन कार्यों के दौरान सभी नियमों का पालन करते हुए मास्क पहनने से लेकर सैनेटाईज़ेशन /हाथ धोने जैसी सावधानियां भी अपना रही हैं।

ऋणों के पुर्नभुगतान की अवधि में छूट

लॉकडाउन अवधि के दौरान आजीविका गतिविधियों में होने वाले नुकसान को समझते हुए, मार्च और अप्रैल 2020 के माह में लिए गए सभी ऋणों को चुकाने के लिए समुदाय के सदस्यों को तीन महीने की छूट दी गई है।

कोविड –19 के दौरान एसएचजी द्वारा दिया गया योगदान

कोविड –19 से सम्बंधित राहत कार्यों में जुड़ी एसएचजी की संख्या – 18298

एसएचजी सदस्यों की संख्या – 73733

मास्क के निर्माण से जुड़े एसएचजी सदस्यों की संख्या – 39090

कुल निर्मित मास्क – 1167147

साबुन, डिटर्जेंट निर्माण से जुड़े एसएचजी की संख्या – 1495

राशन किट बनाने में सहयोग करने वाली सदस्य महिलाओं की संख्या – 34271

कुल एकत्रित और वितरित किया गया गेहूं (किग्रा) – 58054

कुल एकत्रित और वितरित किया गया अनाज (किग्रा)– 5159

एकत्रित और वितरित की गई अन्य खाद्य सामग्री (किग्रा)– 14371

सावधानियों का पालन करें और कोविड –19 से रखें अपना बचाव

दिन में कई बार हाथों को साबुन से धोएं

मास्क का उपयोग करें

सामाजिक दूरी का पालन करें

राजीविका

समूह से समृद्धि तक

ग्रामीण एसएचजी परिवारों के
आर्थिक संबल और आजीविका सृजन
के लिए प्रतिबद्ध

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्